(1) अर्थव्यवस्था क्या है ?

→ अर्थव्यवस्था कोई भी एक भौगोलिक क्षेत्र होती है जिसमें उपलब्ध आर्थिक संसाधनो से वस्तुओ एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है तथा उनका वितरण लोगो मे किया जाता है ताकि उसकी आवश्यकताएं पूरी की जा सके।

अर्थव्यवस्था की अवधारणा को एक चित्र द्वारा समझा जा सकता है —

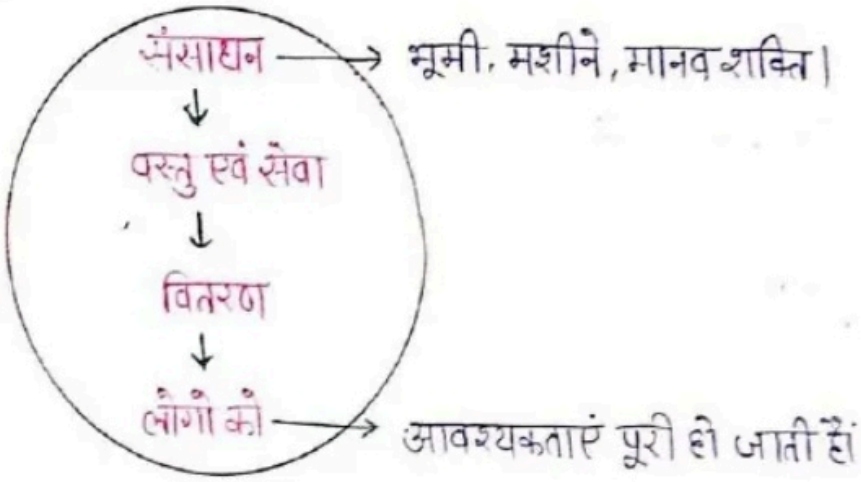

(2) Major Types of Economics —

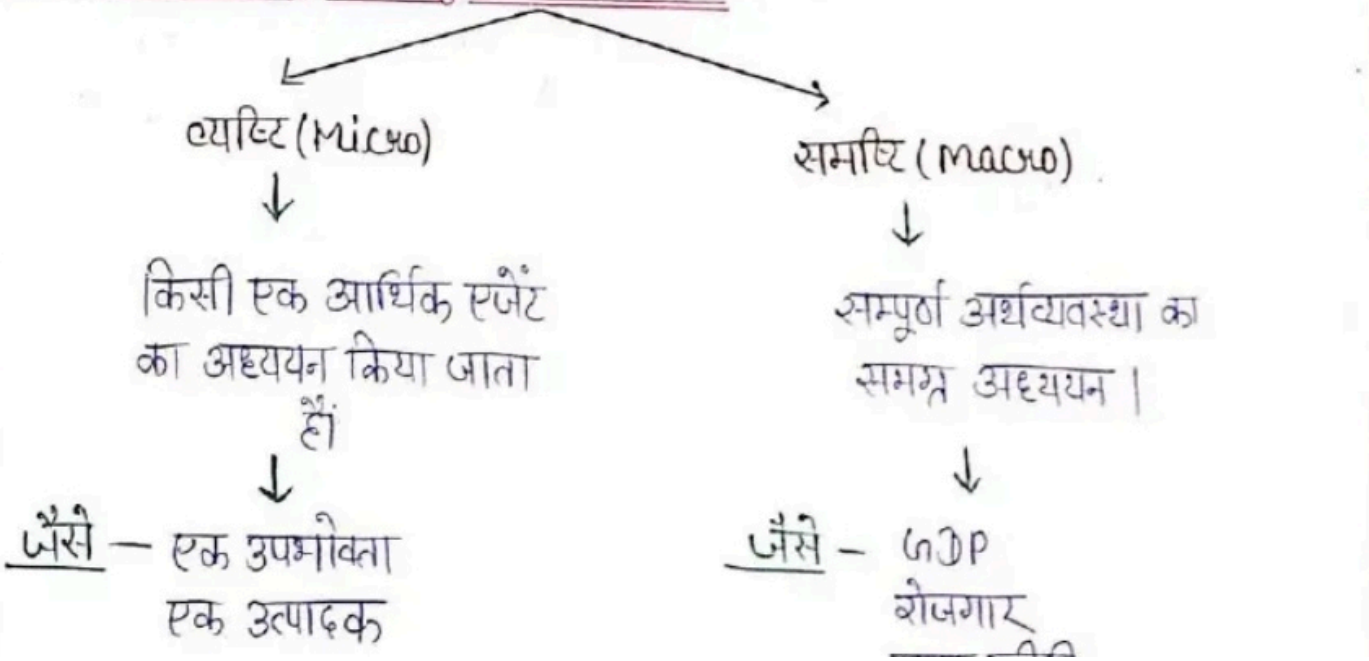

(3) राष्ट्रीय आय व उत्पाद की कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाएँ—

(1) G.D.P
Gross Domestic Product (सकल घरेलु उत्पाद)

एक देश की घरेलु सीमा में एक वर्ष मे उत्पादित सभी अंतिम वस्तु एवं सेवाओ के बाजार मूल्य के समग्र योग को G.D.P कहते हैं।

G.D.P की उपर्युक्त परिभाषा को ध्यान मे रखते हुए इसकी मुख्य बातो को निम्न बिन्दुओ द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है—

(i) G.D.P मे केवल उसी उत्पादन को ध्यान मे रखा जायेगा जो देश की घरेलु सीमा मे हुआ हैं।

Diagram—

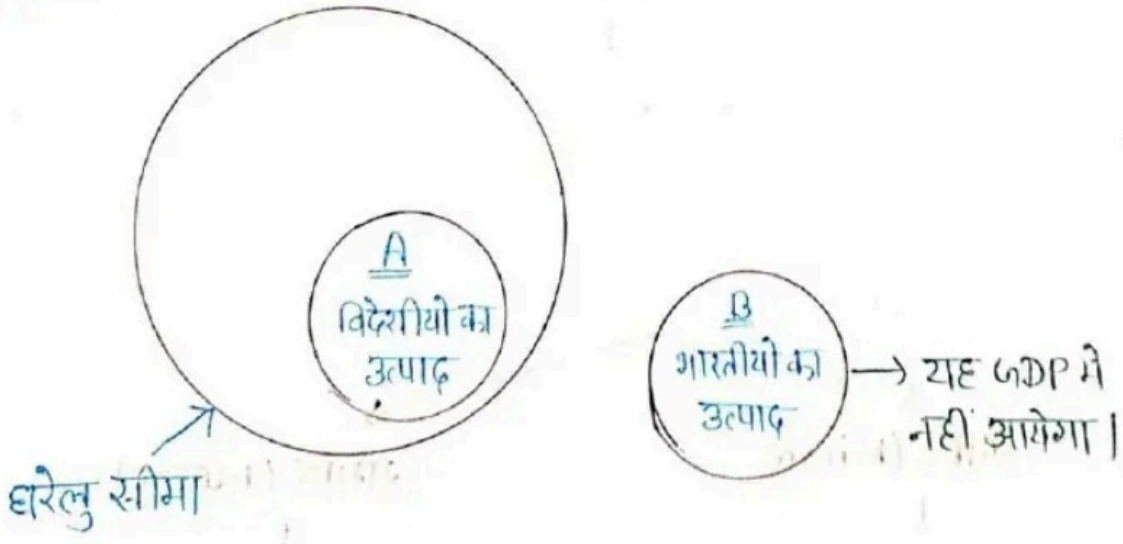

(ii) G.D.P की गणना मे केवल अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओ के उत्पादन को ध्यान मे रखा जाता हैं।

कारण – दोहरी गणना से बचा जा सके।

Example – गेहूँ 10₹/kg आटा 12₹/kg ब्रेड 20₹/kg = 20 रुपये देश का G.D.P होगा।

मूल्य संवर्धन – यह ध्यान देने योग्य है कि यदि अंतिम वस्तुओ या सेवाओ के बजाय सभी वस्तु एवं सेवाओ को G.D.P की गणना मे शामिल करना है तो इसका एक विकल्प यह हो सकता है कि अलग-अलग उत्पादन की अवस्थाओ पर किये जाने वाले मूल्य संवर्धन (Value Addition) को आपस मे जोड़ लिया जाए।

Example –

	गेहूँ	आटा	ब्रेड
	10₹	12₹	20₹
	↓	↓	↓
Value Addition →	10₹.	2₹.	8₹.

10 + 2 + 8 = 20 final G.D.P